–:– व्यक्तिगत विवरण –:–

(BIO-DATA)

नाम :–	डॉ० सुरेश्वर झा
Mobile N0.	9431467584
E-mail	sureshwarjha@rediffmail.com
वर्तमान पद का नाम–	विश्वविद्यालय प्राचार्य (University Professor) स्नातकोत्तर व्याकरण–भाषाविज्ञान विभाग, कामेश्वरसिंहदरभंगा–संस्कृतविश्वविद्यालय, दरभंगा।
जन्मतिथि :–	3 जुलाई 1959 ई०
शैक्षणिक योग्यता :–	व्याकरणाचार्य, प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान। साहित्याचार्य, प्रथम श्रेणी में द्वितीय स्थान। विद्यावारिधि (Ph. D.) शोध का शीर्षक– अव्ययीभावान्तप्रौढमनोरमायाः समीक्षात्मकं विशिष्टमध्ययनम्।
शैक्षणिक अनुभवः–	रमेश्वरलता संस्कृत महाविद्यालय, दरभंगा में व्याकरणविषयक व्याख्याता के पद पर 1977 से 1982 तथा स्नातकोत्तर व्याकरण विभाग में व्याख्याता, उपाचार्य और प्राचार्य के पद पर 1982 से निरन्तर कार्यरत।
प्रशासनिक कार्यानुभव :–	व्याकरणविभागाध्यक्ष के पद पर लगभग 6 वर्ष, व्याकरण–साहित्य के संकायाध्यक्ष के पद पर 2 वर्ष, कुलसचिव के पद पर लगभग 4 वर्ष, विकास पदाधिकारी के पद पर 8 वर्ष और अध्यक्ष, छात्रकल्याण के पद पर 2 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव प्राप्त।
सेमिनार आदि में भाग का अनुभव :–	20 से अधिक सेमिनार आदि में भाग लेने एवम् उसके आयोजन का अनुभव लेने एवम् उसके आयोजन का अनुभव प्राप्त।
गवेषण कार्यानुभव :–	मेरे पर्यवेक्षण में अभी तक 23 गवेषकों को विद्यावारिधि (Ph. D.) तथा 2 को विद्यावाचस्पति (D. Lit.) उपाधि प्राप्त।
प्रकाशित रचनाएँ :–	5 ग्रन्थ और 28 से अधिक शोधपत्र/निबन्ध प्रकाशित और आकशवाणी, दरभंगा से 16 से अधिक वार्ता/परिचर्चा, काव्यपाठ प्रसारित। **विरचित ग्रन्थ– कुल** 3 1. अष्टाध्यायीसूत्रार्थप्रकाशिका (वृत्तिग्रन्थः) 2. सूर्यादिद्वादशस्तवीसहिता मैथिल–सदाचारपद्धतिः (वाजसनेयी आ छन्दोग दूनूक लेल), 3. अतिदेशसमीक्षा **सम्पादित ग्रन्थ– कुल 2** 1. मध्यसिद्धान्तकौमुदी– समासप्रकरणम् (हिन्दीव्याख्यासहितम्), व्याख्याकार– डॉ. कीर्त्यानन्द प्रचेता 'ताँती', पूर्वकुलपति 2. गणदेवता (ज्ञानपीठ पुरस्कार से पुरस्कृत बांग्ला उपन्यास का संस्कृत अनुवाद) मूललेखक– ताराशंकर वन्द्योपाध्याय, अनुवादक– प. आद्या चरण झा
पुरस्कार एवं सम्मान :–	1. भारत सरकार शिक्षा मन्त्रालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता 1976 ई० में व्याकरण में **प्रथम स्थान** एवं **स्वर्णपदक** प्राप्त। 2. कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा 1977 ई० में आयोजित शलाका परीक्षा (व्याकरण विषय) में **सर्वोच्च द्वितीय स्थान एवं पुरस्कार** प्राप्त। 3. कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा आयोजित व्याकरणाचार्य परीक्षा में **प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान** एवं **विशिष्टता प्रमाण पत्र** प्राप्त। 4. भारत सरकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, नई दिल्ली के संरक्षकत्व में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित ''विश्व संस्कृत सम्मेलन'' (दिनाङ्क 5–9 अप्रील 2001 ई०) में प्रस्तुत शोधपत्र **''भ्रष्टाचारसमस्या, संस्कृतं च''** के लिए भारत सरकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा सम्मानित।
विशिष्टता का क्षेत्र :–	पाणिनीयव्याकरण।
विशेष अभिरुचि :–	संस्कृत वाङ्मय में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष एवं दर्शन का अध्ययन, शैक्षणिक और विचार गोष्ठी में भाग ग्रहण तथा कम्प्यूटर के विशिष्टज्ञान में विशेष अभिरुचि।